धर्म पालन में से जो अधिकार निकलता है वही स्थिर रहता है।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोकजीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 205 | जयपुर. मंगलवार . | 24 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

वेस्ट बंगाल का नाम बदलकर होगा 'पश्चिम बंगा', कैबिनेट की मंजूरी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल का नाम बदलने को लेकर राज्य की सियासत एक बार फिर गरमा गई है। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने बड़ा बयान देते हुए स्पष्ट किया कि अब से अंग्रेजी में भी राज्य का नाम वेस्ट बंगाल की जगह 'पश्चिम बंगा' ही होगा। मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम ने बताया कि राज्य कैबिनेट ने आज इस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी। उन्होंने आगे की प्रक्रिया साझा करते हुए कहा, 'हम आगामी 9 तारीख को राज्य विधानसभा में इस संबंध में एक प्रस्ताव लाने जा रहे हैं। विधानसभा से पारित होने के बाद इसे मंजूरी के लिए भारत सरकार के पास भेजा जाएगा और फिर इसे संसद में पेश किया जाएगा। इस कदम को ऐतिहासिक सुधार बताते हुए अधिकारी ने कहा कि यह मामला 1947 में हुए पश्चिम बंगाल के गठन के इतिहास से जुड़ा हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंग्रेजी में भी राज्य का नाम बिल्कुल पश्चिम बंगा ही लिखा जाना चाहिए और यह बदलाव अब होकर रहेगा।

राहुल गांधी 9 दिसंबर को जयपुर आएंगे

जयपुर (कासं)। जयपुर में कांग्रेस का एक ऐसा जमावड़ा होने जा रहा है, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के दिग्गज नेता जुटेंगे। कांग्रेस के नए राष्ट्रीय सचिवों को संगठन की बारीकियां और सियासत के दांव-पेच सिखाने के लिए 10 दिन का विशेष ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा। इसकी शुरुआत 30 नवंबर को होगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस कैंप का उद्घाटन करेंगे, जबकि समापन के मौके पर 9 दिसंबर को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जयपुर पहुंचेंगे। दोनों नेताओं का कार्यक्रम फाइनल हो चुका है। इस ट्रेनिंग कैंप में कांग्रेस के सीनियर नेता नए राष्ट्रीय सचिवों को पार्टी की विचारधारा, संगठन की मजबूती और राजनीतिक रणनीतियों का पाठ पढ़ाएंगे। खास बात यह है कि हाल ही में नियुक्त किए गए 81 राष्ट्रीय सचिवों को अलग-अलग राज्यों में सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। ऐसे में राज्यों में संगठन की कमान संभालने से पहले इन नेताओं को पार्टी की कार्यशैली और रणनीति से रूबरू कराया जाएगा। जयपुर के बाड़ा पदमपुरा में इस ट्रेनिंग कैंप के आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कांग्रेस ने इसके लिए संगठनात्मक स्तर पर तैयारी तेज कर दी है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल 25 नवंबर को जयपुर आएंगे। वे यहां कैंप स्थल का निरीक्षण करने के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। बाड़ा पदमपुरा कांग्रेस के लिए पहले भी बड़े संगठनात्मक आयोजनों का केंद्र रहा है। यहां साल 2003 में कांग्रेस का 3 दिवसीय राष्ट्रीय ट्रेनिंग कैंप आयोजित हुआ था। उस दौरान तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे। इसके अलावा यहां प्रदेश स्तर के कई ट्रेनिंग कैंप भी आयोजित किए जा चुके हैं। अब एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और पदाधिकारियों का जमावड़ा यहां देखने को मिलेगा।

रामनगरी अयोध्या से सीता की नगरी जनकपुर के बीच सीधी ट्रेन

अयोध्या (एजेंसी)। भारत और नेपाल के बीच धार्मिक पर्यटन और रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को एक नई ट्रेन सेवा शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्र.म. बालेंद्र शाह अयोध्या से नेपाल के जनकपुर के बीच चलने वाली सीधी ट्रेन को दिल्ली से वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन का नाम 'सरयू-कमला एक्सप्रेस' रखा गया है। इस उद्घाटन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। यह कार्यक्रम अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया। अयोध्या को भगवान राम की जन्मभूमि माना जाता है जबकि नेपाल का जनकपुर माता सीता की जन्मस्थान के रूप में प्रसिद्ध है। दोनों शहरों का रामायण से गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध है। इस ट्रेन सेवा से श्रद्धालुओं को दोनों प्रमुख धार्मिक स्थलों के बीच सीधा सफर करने की सुविधा मिलेगी।

28 नवंबर से शुरू होगा नियमित संचालन

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन का नियमित संचालन 28 नवंबर से शुरू होगा। अयोध्या से जनकपुर के बीच करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग 19 घंटे लगेंगे। इस ट्रेन के चलने से यात्रियों को रास्ते में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ट्रेन नंबर 15596 हर सोमवार शाम 5:50 बजे अयोध्या कैंट से रवाना होगी और मंगलवार दोपहर 12:40 बजे (नेपाल के समय के अनुसार) जनकपुर धाम पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 15595 हर शनिवार दोपहर 1:10 बजे (नेपाल के समय के अनुसार) जनकपुर धाम से रवाना होगी। यह रविवार सुबह 8:10 बजे अयोध्या कैंट पहुंचेगी।

10 स्टेशनों पर होगा ठहराव

यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन दोनों दिशाओं में चलेगी। रास्ते में इसके 10 प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव होगा। इनमें अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शीशो, मधुबनी और जयनगर शामिल हैं।

भारत-नेपाल मैत्री को नई उड़ान, 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये का विकास पैकेज घोषित

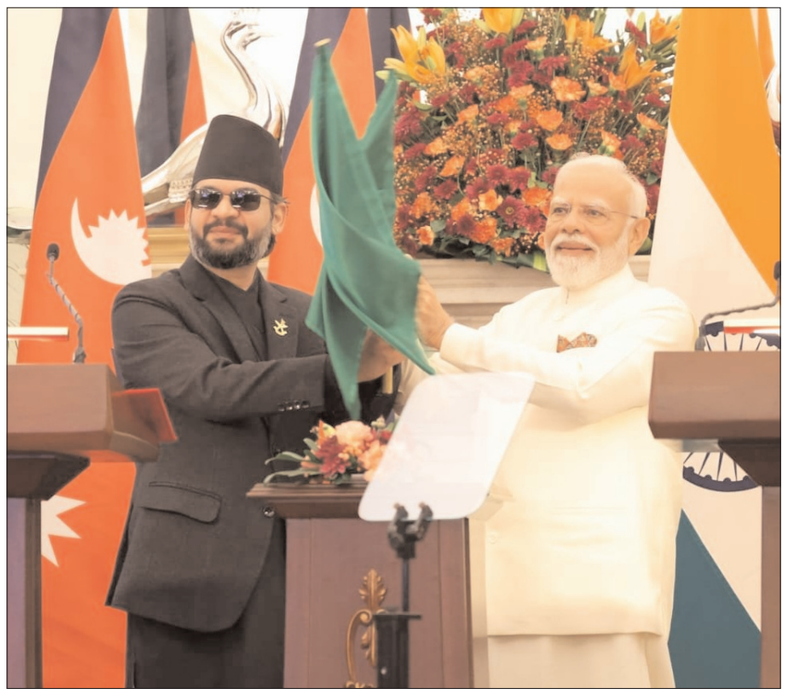
भारत-नेपाल संबंधों का नया अध्याय, मोदी और बालेंद्र शाह ने दिखाई सरयू-कमला एक्सप्रेस को हरी झंडी

अयोध्या (एजेंसी)। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच अब सीधा रेल संपर्क स्थापित हो गया है। भारत और नेपाल के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई मजबूती देने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का सोमवार को शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और नेपाल के रिश्तों को नई ऊंचाई देने का संकल्प दोहराते हुए नेपाल के पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक विकास के लिए 24 हजार करोड़ नेपाली रूपये के विकास सहयोग पैकेज की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता केवल पड़ोस का नहीं, बल्कि अटूट विश्वास, साझा संस्कृति और आत्मीयता का रिश्ता है। दोनों देश एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। नेपाल के बिना राम अधूरे हैं।

प्रधानमंत्री ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की दूरदर्शिता और उनके विजन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ घंटों की बातचीत में उन्हें नेपाल के भविष्य और भारत-नेपाल संबंधों को लेकर बालेंद्र शाह के स्पष्ट विजन और प्रतिबद्धता की झलक देखने को मिली है। उनका विजन नई पीढ़ी की आकांक्षाओं और उम्मीदों को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नेपाल के लिए भारत गहरी संवेदना रखता है। नेपाल में आई प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के जीवन को फिर से पटरी पर लाना और वहां के दीर्घकालिक विकास को मजबूती देना भारत का संकल्प है। इसी दिशा में 24 हजार करोड़ नेपाली रूपये का विकास सहयोग पैकेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का प्रयास होगा कि प्रभावित परिवारों के जीवन में फिर से खुशहाली लौटे, नए अवसर पैदा हों और भविष्य में आने वाली आपदाओं से निपटने के लिए नेपाल की क्षमता भी मजबूत हो। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत और नेपाल के संबंधों का आधार इतिहास, संस्कृति और लोगों के बीच गहरे आत्मीय रिश्ते हैं। भगवान श्रीराम और माता सीता दोनों देशों की साझा आस्था और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए देश-दुनिया से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। उनके अनुसार, अब तक करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं ने अयोध्या की यात्रा की है।



सरयू-कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ से इस पवित्र रिश्ते को नया आयाम मिल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल दोनों देशों के बीच आस्था से जुड़े पवित्र स्थलों की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे। अयोध्या और जनकपुर के बीच शुरू हुई यह रेल सेवा धार्मिक पर्यटन के साथ दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क को भी बढ़ाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड और नेपाल के बीच इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट का काम भी तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही अधिक सुविधाजनक होगी। उन्होंने कहा कि बिहार, उत्तर प्रदेश और भारत के अन्य राज्यों को नेपाल से जोड़ने वाली सड़क, रेल और सीमा कनेक्टिविटी परियोजनाओं को भी नई गति दी जाएगी। व्यापार को आसान बनाने के लिए आवश्यक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल की नदियों में स्वच्छ ऊर्जा की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की विशाल ऊर्जा जरूरतें नेपाल की आर्थिक प्रगति का आधार बन सकती हैं।

जनादेश के बाद भी जोड़-तोड़ में जुटी भाजपा सरकार : गहलोत

जयपुर (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर जनादेश का सम्मान नहीं करने और पंचायत चुनावों में जोड़-तोड़ की राजनीति करने का आरोप लगाया है। रविवार को जोधपुर रवाना होने से पहले 49, सिविल लाइंस पर मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि जनता ने भाजपा को स्पष्ट जनादेश दिया है, लेकिन सरकार आत्मचिंतन करने के बजाय सत्ता के लिए दबाव और खरीद-फरोख्त की राजनीति में जुटी है।



गहलोत ने टोंक जिले का उदाहरण देते हुए कहा कि चुनाव से पहले लगाई गई लाइटें अब हटाई जा रही हैं और अधिकारियों की ओर से उन्हें अवैध बताया जा रहा है। सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यदि ये लाइटें अवैध थीं तो चुनाव से पहले लगाई ही क्यों गईं। उन्होंने एक पंचायत समिति का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां भाजपा के पास केवल एक वोट है, जबकि कांग्रेस और निर्दलीय सदस्यों को मिलाकर 18 सदस्य हैं। इसके बावजूद भाजपा अपना प्रधान बनाने के प्रयास कर रही है। गहलोत के मुताबिक प्रधान पद के उम्मीदवार के घर पुलिस भेजी जा रही है। मकान तोड़ने और होटल बंद कराने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस के सभी उम्मीदवार एकत्रित हैं, वहां एक थानेदार तीन बार जाकर धमका चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के गृह जिले में भी कांग्रेस को स्पष्ट जनादेश मिला है, लेकिन वहां भी हॉर्स ट्रेडिंग की कोशिशें हो रही हैं।

एशिया में भारत की ताकत बढ़ी, चीन से फासला सबसे कम

पावर इंडेक्स में भारत तीसरे स्थान पर बरकरार, मोदी एशिया के दूसरे सबसे प्रभावशाली नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक कूटनीति और एशिया के बदलते शक्ति संतुलन के बीच भारत ने अपनी स्थिति और मजबूत की है। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट की 'एशिया पावर इंडेक्स 2026' रिपोर्ट में भारत को एशिया का तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बताया गया है। भारत ने 40.5 अंक के कुल पावर स्कोर के साथ अपनी 'मेजर पावर' की स्थिति बरकरार रखी है। खास बात यह है कि वर्ष 2018 के बाद पहली बार चीन और भारत के बीच शक्ति का अंतर अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद एशिया का दूसरा सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय नेता माना गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने रक्षा साझेदारी, सैन्य क्षमता, भविष्य के संसाधनों और सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ बढ़ते रक्षा संबंध और ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात ने भारत के क्षेत्रीय सुरक्षा प्रभाव को नई मजबूती दी है। भारत के रक्षा नेटवर्क के स्कोर में 2.1 अंकों का सुधार दर्ज किया गया है। आसियान देशों के साथ बढ़ती रक्षा साझेदारी और ब्रह्मोस



मिसाइल की सफल बिक्री ने भारत की रणनीतिक पहुंच का विस्तार किया है। इसके अलावा सैन्य क्षमता में 0.5 अंक और भविष्य के संसाधनों में 1.2 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के व्यापार और निवेश संबंध भी अपेक्षाकृत स्थिर बने हुए हैं।

एशिया पावर इंडेक्स में भारत को सबसे बड़ी बढ़त सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में मिली है। इस श्रेणी में भारत का स्कोर 2.3 अंक बढ़कर 43.8 पर पहुंच गया। वहीं कूटनीतिक प्रभाव का स्कोर 70.3 अंक पर स्थिर रहा। हालांकि, खाड़ी क्षेत्र के संघर्ष के दौरान भारत के अपेक्षाकृत शांत और संतुलित रुख का असर प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक नेतृत्व से जुड़े आकलन पर पड़ा। दूसरी ओर, आर्थिक क्षमता के मोर्चे पर भारत को कुछ नुकसान हुआ है। इस श्रेणी में भारत का स्कोर 0.7 अंक गिरकर 26.4 रह गया। हालांकि, आर्थिक लचीलेपन और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों के स्कोर में कोई बदलाव नहीं हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, एशिया में अमेरिका और चीन के बीच महाशक्ति की प्रतिस्पर्धा और तेज हुई है। 100 अंकों के पैमाने पर अमेरिका 78.9 अंक के साथ पहले और चीन 73.6 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों के बीच अंतर घटकर महज 5.3 अंक रह गया है, जो वर्ष 2018 में सूचकांक शुरू होने के बाद सबसे कम है। सैन्य क्षमता के मामले में भी दोनों देशों के बीच का अंतर रिकॉर्ड स्तर तक सिमट गया है।

अमेरिका को कूटनीतिक प्रभाव के मोर्चे पर बड़ा झटका लगा है। उसका स्कोर 6 अंक गिरकर 76.7 पर आ गया है। यह अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है और लगातार चौथे वर्ष अमेरिकी कूटनीतिक प्रभाव में कमी दर्ज की गई है। ईरान युद्ध, दंडात्मक टैरिफ और दक्षिण कोरिया के साथ सैन्य अभ्यासों में कटौती की मांग को इसकी प्रमुख वजहों में शामिल किया गया है। दक्षिण-पूर्व एशिया कार्यक्रम और एशिया पावर इंडेक्स के निदेशक हंटर मार्स्टन के अनुसार, तमाम वैश्विक और क्षेत्रीय उथल-पुथल के बावजूद

रंग लाई प्र.म. मोदी की अपील!

अप्रैल-अक्टूबर में सोने का आयात 40% गिरा



नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी में पिछले कुछ दिनों से जारी गिरावट पर 23 नवंबर को ब्रेक लग गया और निचले स्तरों से गोल्ड और सिल्वर में रिकवरी देखने को मिली व कीमतों में तेजी आई। इस बीच सोने के निर्यात पर एक अपडेट आया। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने बताया कि इस वर्ष अप्रैल-अक्टूबर के दौरान भारत में सोने का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम हो गया है। इन सात महीनों में देश ने 24.7 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का सोना खरीदा।

गोयल के अनुसार, भारत ने अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच 41.24 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का सोना आयात किया, जबकि इस वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 24.7 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो 16.46 अरब अमेरिकी डॉलर की गिरावट दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े चालू वित्त वर्ष में सोने की खरीद में उल्लेखनीय कमी दर्शाते हैं।

कितना रहा सोने का आयात?

उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में सोने का आयात लगभग 72 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2026-27 में इसकी खरीद 35 अरब अमेरिकी डॉलर से 40 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच रहने का अनुमान है। गोयल ने सोने की खरीद में गिरावट का कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को बताया और कहा कि व्यापार के आंकड़ों में यह कमी साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने सोने की कीमतों में गिरावट का भी जिक्र किया, जिससे उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए कीमती धातु खरीदना आसान हो गया है।

65 लाख रुपये प्रति किलोग्राम सस्ता

गोयल के अनुसार, प्र.म. मोदी की अपील के समय सोने की कीमत लगभग 1.90 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो तब से घटकर लगभग 1.25 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम रह गई है, यानी लगभग 65 लाख रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है।

उन्होंने कहा कि कीमतों में बदलाव से ज्वैलर्स और व्यापारियों को त्योहारों और शादियों के मौसम में अपने स्टॉक को व्यवस्थित करने में मदद मिली है, जबकि उपभोक्ता अपेक्षाकृत कम कीमतों पर सोना खरीद पा रहे हैं। गोयल ने कहा कि इस साल लगभग 52 लाख शादियों के माध्यम से शादी के मौसम में लगभग 6 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है।

पाक सीमा पर रेल नेटवर्क का महाविस्तार, 1487 किमी की 6 परियोजनाओं पर काम तेज

बीकानेर (एजेंसी)। पाकिस्तान सीमा से सटे राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में रेल नेटवर्क का विस्तार करने के लिए रेलवे ने 1487 किलोमीटर की छह परियोजनाओं पर काम तेजी से आगे बढ़ाया है। इन परियोजनाओं में चार नई रेल लाइनों का निर्माण और दो मुख्य रेल मार्गों का दोहरीकरण शामिल है। रेलवे प्रशासन ने यात्री सुविधाओं, सामरिक आवश्यकताओं और माल ढुलाई की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से इनमें से दो परियोजनाओं की 6165



करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली है, जबकि शेष चार परियोजनाओं का फाइनल लोकेशन सर्वे चल रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के अनुसार, अनूपगढ़ से बीकानेर तक 187 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन की डीपीआर 2277 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई है, जिसे अब स्वीकृति के अगले चरण में भेजा जा रहा है। इस रेल लाइन के बनने से अनूपगढ़ और बीकानेर के बीच रेल संपर्क अधिक सुदृढ़ होगा। इसके अलावा, जैसलमेर से बाड़मेर होते हुए गुजरात के भाभर या भीलड़ी तक 380 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का फाइनल लोकेशन सर्वे जारी है। खाजूवाला से जैसलमेर तक 260 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाने की तैयारी भी की जा रही है, जिसे अनूपगढ़-बीकानेर रेल परियोजना से जोड़ा जाएगा। वहीं सोनू से रामगढ़ तक 26 किलोमीटर की नई रेल लाइन का सर्वे कार्य भी प्रगति पर है। रेलवे सीमावर्ती क्षेत्रों में ट्रेनों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए दो प्रमुख रेल मार्गों का दोहरीकरण भी कर रहा है।

विला खरीद मामले में शिखर अग्रवाल पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

जयपुर (कासं)। एक कंपनी से 64 विला खरीदने के मामले में एपीओ चल रहे अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने याचिका दायर कर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच पर रोक लगाने, गिरफ्तारी से राहत देने और किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं करने की मांग की



है। सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन इसी सप्ताह मामले की सुनवाई होने की संभावना जताई जा रही है। शिखर अग्रवाल की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्हें गलत तरीके से इस मामले में फंसाया जा रहा है। इसके लिए वही दलीलें दी गई हैं, जो उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में रखी थीं। हालांकि, राजस्थान सरकार इस मामले में पहले ही सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर चुकी है। ऐसे में शीर्ष अदालत शिखर अग्रवाल की याचिका पर कोई आदेश देने से पहले राज्य सरकार का पक्ष भी सुनेगी। शिखर अग्रवाल ने 17 नवंबर को हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ एसीबी की जांच को चुनौती दी थी।

सेशन जज को सुप्रीम कोर्ट की फटकार 'बाहुबली की तरह व्यवहार करना बंद करें'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के एक सत्र न्यायाधीश के कामकाज के तरीके पर गहरी नाराजगी जताते हुए उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट के आदेश के बावजूद एफआईआर दर्ज न करने पर एक पुलिस अधिकारी को उसी दिन दोषी ठहराने और जुर्माना लगाने के मामले में शीर्ष अदालत ने जज से कहा कि वे बाहुबली की तरह व्यवहार करना बंद करें। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने न्यायिक अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी कानून की बुनियादी समझ और कोर्टरूम के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए। सुनवाई



के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने सेशन जज की कार्यशैली पर बेहद सख्त लहजे में टिप्पणी की। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कानून की आपकी समझ वाकई बेहद निराशाजनक है। कोर्ट ने कहा कि आपने जिस आक्रामक तरीके से काम किया है, एक पुलिस अधीक्षक को तलब करना और उसी दिन उन्हें दोषी ठहरा देना यह बेहद चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने याचिकाकर्ता जज के वकील से स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे अपने मुवक्किल को समझाएं कि वे बाहुबली की तरह बर्ताव करना बंद करें। बता दें कि यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब बिहार के सेशन जज ने किसी मामले में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। लेकिन जब संबंधित पुलिस अधिकारी ने एफआईआर दर्ज नहीं की, तो जज ने इसे अदालत की मौजूदगी में किया गया अपराध मान लिया।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संस्थापक - स्व. डॉ. विश्वबन्धु जी त्रिवेदी

बच्चों को हकीकत से रूबरू कराएं

आजकल कई बार बच्चे मोबाइल फोन लेने के लिए अड़ जाते हैं। कई मां-बाप उन्हें दिला भी देते हैं, जबकि तमाम अध्ययन यही कह रहे हैं कि एक खास उम्र तक बच्चों के लिए मोबाइल हानिकारक है। इसलिए उनसे कहना ही पड़ेगा-तुम्हें अभी फोन नहीं मिलेगा। बहुत से बच्चे मनपसंद चीज न मिलने के कारण रोते हैं, सामान इधर-उधर फेंकने लगते हैं और खाना-पीना बंद कर देते हैं। अनेक माता-पिता बच्चों की ऐसी जिद के आगे झुक जाते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चा इस तरह रोएगा और कुछ खाएगा-पिएगा नहीं तो उसका कुछ नुकसान न हो जाए, जबकि यह एक तरह से अपनी बात मनवाने के लिए बच्चों की ब्लैकमेलिंग होती है। यदि माता-पिता एक बार इस तरह उनके आगे झुक जाएं तो वे हमेशा अपनी बात पूरी कराने के लिए इसी तरह की जिद करेंगे। इसलिए बच्चों की हर जिद और मांग के आगे न झुकें। बच्चे की हर शिकायत को सही न मानकर उसके अच्छे-बुरे पर भी विचार करें। चाहे बच्चे की मंशा गलत न हो, मगर कई बार वे बहाने भी बनाते हैं। खुद के बचाव के लिए दूसरों का नाम भी लेते हैं। दरअसल छुटपन में वे व्यवहार के बहुत से तरीके सीखते हैं। यही वह समय है, जब उन्हें अच्छा-बुरा बताया जाना चाहिए। आज के समय में ऐसा करना और भी आवश्यक हो गया है।

प्राय: कहा जाता है कि बच्चों की कोमल भावनाओं को समझना चाहिए। उन्हें ज्यादा रोकना-टोकना नहीं चाहिए। उनसे किसी बात के लिए न नहीं कहना चाहिए, लेकिन बच्चों के लिए ही काम करने वाले बहुत से संगठन इस पर जोर दे रहे हैं कि यदि आप बच्चे को न नहीं कहते तो उसे हमेशा हां सुनने की आदत पड़ जाती है। वे कभी न सुनना नहीं चाहते। घर में भी हमेशा बच्चों की मांगों को माना नहीं जा सकता, क्योंकि मांगों को पूरा करने में संसाधन और समय भी खर्च होता है। कोई जरूरी तो नहीं कि प्रत्येक परिवार के पास बच्चे की हर इच्छा पूरी करने के संसाधन और सामर्थ्य हों। फिर बच्चा हमेशा घर में तो रहता नहीं। स्कूल भी जाता है, दूसरे बच्चों के साथ खेलता है। बड़ा होकर नौकरी या अपना काम भी करता है। बच्चों के जीवन का यह चक्र बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यदि किसी बच्चे को बाहर निकलकर न सुनना पड़े तो उनका आत्मविश्वास हिल सकता है। वे अवसाद का शिकार हो सकते हैं। कई बार तो उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित हो जाता है।

अपने ही देश के कई बड़े उद्योगपतियों ने अपनी जीवनी में लिखा है कि यदि संसाधन हों तो भी बच्चे को सही जिदंगी जीने का तरीका समझाने के लिए उसकी हर इच्छा पूरी नहीं करनी चाहिए। उसे मेहनत और पैसे की बचत का महत्व समझाना चाहिए। आज के उपभोक्तावादी और प्रतिस्पर्धी युग में इसकी आवश्यकता और बढ़ गई है। बाहर की दुनिया उस कोमलता से भरी नहीं होती, जिसमें हां सुनने वाले तमाम बच्चे रह रहे होते हैं। वे बाहरी दुनिया का मुकाबला आसानी से कर सकें, इसके लिए समय-समय पर उनसे न कहना भी जरूरी है। यदि अपने यहां के पुराने पारिवारिक ढांचे को देखें तो वहां यही कहा जाता था कि यदि बच्चों को बिगाड़ना है तो उनकी हर जिद पूरी करो। यदि उन्हें जीवन जीने का सही तरीका समझाना है तो उनकी हर मांग पूरी न करें। बुजुर्गों की इन सीखों का समर्थन कई शोध भी कर रहे हैं। मनोविज्ञान और न्यूरो साइंस से जुड़ी कई रिसर्च कहती हैं कि बच्चे का न सुनना उसके स्वस्थ दिमाग के विकास के लिए जरूरी है। जब बच्चे न सुनते हैं तो चाहे वे उस वक्त नाराज हों, पर इसके बारे में सोच-विचार भी करते हैं। अनेक मामलों में जिस बात के लिए न की गई होती है, वे दोबारा उसकी चर्चा नहीं करते। इन रिसर्च में यह भी कहा है कि बच्चों के सामने एक सीमा रेखा हमेशा खींचनी चाहिए।

बच्चों को यह बताना जरूरी है कि वे क्या कर सकते हैं और क्या नहीं? यह जानना भी आवश्यक है कि माता-पिता या अन्य परिवार वालों के लिए उनकी कौन सी मांग पूरी करना संभव है और कौन सी नहीं? ऐसा करने से बच्चे धैर्यवान बनते हैं, दूसरे की इच्छा का सम्मान करना सीखते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति क्या है, इसलिए उन्हें अपनी जरूरत कितनी बढ़ानी है, इस पर भी विचार करते हैं। बच्चों में इतनी समझ होती है कि वे कम उम्र में ही वास्तविकता पहचान सकते हैं। जीवन और इस दुनिया की सच्चाई क्या है, वे इस पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। मनोविज्ञानियों ने इस बारे में कई उदाहरण दिए हैं। मान लीजिए एक बच्चा पार्क में खेल रहा है। अंधेरा घिर आया है। घर लौटने का समय हो गया, लेकिन बच्चा अभी और खेलना चाहता है। घर लौटने की बात पर वह रूठ जाता है। ऐसे में उससे कैसे न कहें कि वह दुखी भी न हो और अपनी सीमा को भी समझ जाए।

इसका उदाहरण इस तरह दिया गया है, 'मुझे पता है कि तुम और खेलना चाहते हो और पार्क छोड़कर जाना तुम्हें बुरा लग रहा है, लेकिन अब और नहीं खेला जा सकता। हमें घर जाना है। यह घर जाने का समय है।' इसी तरह यदि बच्चा कोई सामान लेने के लिए अड़ जाए तो कभी समझाकर, कभी कठोरता से न कहना पड़ता है। आजकल तो यह देखने में आता है कि माल या दुकान में खड़े होकर वह जो मांग रहा होता है, उसे माता-पिता खरीद देते हैं। ऐसा बच्चा कल ऐसा कुछ मांग सकता है, जिसे खरीदने के पैसे न हों या जो उसके लिए सही न हो, तब तो न कहना ही पड़ेगा।

अंत्योदय से विकास की नई इबारत, योजनाओं ने बदली गरीबों की तकदीर

सामाजिक सुरक्षा परिवारों को संबल देती है, लेकिन आर्थिक रूप से ऊपर उठने के लिए आजीविका के अवसर जरूरी हैं। करोड़ों भारतीयों के लिए इस नई शुरुआत की पहली सीढ़ी एक बैंक खाता बना। आज 59 करोड़ से अधिक जन-धन खातों के जरिये सरकारी मदद बिना किसी बिचौलिए के सीधे हकदार के खाते में पहुंच रही है। बैंक खाते ने लोगों को सुरक्षित बचत की आदत दी और उनका वित्तीय रिकार्ड तैयार किया, जिससे संस्थागत कर्ज के रास्ते खुले। जिनके पास गिरवी रखने को कोई संपत्ति नहीं थी, उनके लिए यह पहला कर्ज जीवन बदलने वाला साबित हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तात्कालिक राहत के बजाय उन जड़ों पर प्रहार किया है, जो गरीबी को बार-बार जन्म देती हैं। कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति के कल्याण यानी 'अंत्योदय' के मंत्र को अपनाते हुए हमारी सरकार ने कठिन, पर स्थायी रास्ता चुना। हर परिवार की जरूरतों को समझकर सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ सबसे जरूरतमंद तक पहुंचे। यह बदलाव किसी जादू से नहीं आया। इसके लिए लाभार्थियों की सही पहचान, जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन और लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने की निरंतर निगरानी जरूरी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं हर योजना की बारीकी से समीक्षा की। जो भी अड़चनें आईं, उन्हें दूर किया गया। उन्होंने सरकारी नीतियों को आम लोगों के जीवन में बदलाव का माध्यम बना दिया। कोई भी परिवार तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक कोई बीमारी और रोजाना पानी ढोने की मशक्कत उसकी ऊर्जा और संसाधन निगलती रहे। स्वच्छ भारत अभियान से बेहतर हुए स्वच्छता के स्तर के चलते एक अनुमान के अनुसार हर साल 60 से 70 हजार शिशुओं की अकाल मृत्यु रोकने में मदद मिली। जल जीवन मिशन के जरिये ग्रामीण घरों में नल से जल के कनेक्शन लगभग 16 करोड़ तक पहुंच गए हैं। इससे महिलाओं और बेटियों को पानी के लिए मीलों पैदल चलने से मुक्ति मिली और जलजनित बीमारियों का खतरा भी घटा। इसी तरह, उज्ज्वला योजना ने रसोई को धुएं से आजाद किया, तो पीएम आवास योजना ने पक्के घर की सुरक्षा और गरिमा दी। आयुष्मान भारत के तहत कैशलेस इलाज ने बीमारी के भारी-भरकम खर्च से परिवारों को सुरक्षा कवच प्रदान किया। यह किसी से छिपा नहीं रहा कि एक गंभीर बीमारी उसकी वर्षों की जमा-पूंजी छीनकर उसे फिर से गरीबी के गर्त में धकेल सकती है। इन सभी योजनाओं ने मिलकर एक ऐसे सुरक्षा चक्र का काम किया है, जिसने घरेलू खर्च घटाया, काम के लिए समय बचाया और परिवारों को दोबारा गरीबी में फिसलने से रोका।

सामाजिक सुरक्षा परिवारों को संबल देती है, लेकिन आर्थिक रूप से ऊपर उठने के लिए आजीविका के अवसर जरूरी हैं। करोड़ों भारतीयों के लिए इस नई शुरुआत की पहली सीढ़ी एक बैंक खाता बना। आज 59 करोड़ से अधिक जन-धन खातों के जरिये सरकारी मदद बिना किसी बिचौलिए के सीधे हकदार के खाते में पहुंच रही है। बैंक खाते ने लोगों को सुरक्षित बचत की आदत दी और उनका वित्तीय रिकार्ड तैयार किया, जिससे संस्थागत कर्ज के रास्ते खुले। जिनके पास गिरवी रखने को कोई संपत्ति नहीं थी, उनके लिए यह पहला कर्ज जीवन बदलने वाला साबित हुआ। दो महीने पहले मुद्रा योजना के लाभार्थियों से बातचीत के दौरान मेरी भेंट बंगाल की सुष्मिता घराई से हुई। कोविड महामारी में पिता को खोने के बाद उनके परिवार का प्रिंटिंग व्यवसाय पूरी तरह ठप हो गया था। न जमीन थी, न सोना, लेकिन बिना गारंटी वाले मुद्रा ऋण ने उन्हें अपना प्रेस दोबारा खड़ा करने की ताकत दी। आज वे आठ लोगों को रोजगार दे रही हैं, जो उनकी शुरुआती टीम से दोगुना है और अब डिजिटल प्रिंटिंग में विस्तार की तैयारी कर रही हैं। उनका जज्बा उन करोड़ों युवाओं की आकांक्षाओं का प्रतीक है, जिनके हौसले उनके संसाधनों से कहीं बड़े हैं।

अब तक मुद्रा योजना के तहत 60 करोड़ ऋण खाते स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें करीब दो-तिहाई महिलाओं के हैं। आज 10 करोड़ ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। 3.7 करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। 'नमो ड्रोन दीदी' के रूप में प्रशिक्षित महिलाएं खेतों में ड्रोन से छिड़काव की आधुनिक सेवाएं दे रही हैं। जो महिलाएं कभी आर्थिक मुख्यधारा से बाहर थीं, वे आज खुद रोजगार देने वाली उद्यमी बन रही हैं। वहीं, पीएम स्वनिधि और पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाएं रेहड़ी-पटरी वालों और पारंपरिक कारीगरों को नई पहचान और आर्थिक मजबूती दे रही हैं।

पीढ़ियों तक यह मान लिया गया था कि भारत में गरीबी को केवल संभाला जा सकता है, मिटाया नहीं जा सकता। एक दशक में यह धारणा बदल गई है, लेकिन यह ठहरने का समय नहीं है। 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की अपनी नई चुनौतियां हैं। अगले चरण में हमें बचे हुए लोगों को भी गरीबी से बाहर निकालना है और सुनिश्चित करना है कि जो लोग आगे बढ़ चुके हैं, उनकी प्रगति निर्बाध जारी रहे। भारतीयों की सामूहिक शक्ति और संकल्प से 2047 तक विकसित भारत का सपना हमारी पहुंच में है और हम सब मिलकर इसे अवश्य पूरा करेंगे। एक साल पहले जब मैं नगालैंड की दुर्गम पहाड़ियों में बसे आकांक्षी जिले किफिरे गई थी, तो वहां स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी आदिवासी महिलाओं से संवाद करने का अवसर मिला। उन्हीं में एक 'लखपति दीदी' एस्थर भी थीं। उन्होंने बड़े गर्व से बताया कि मोटे अनाज से बने उनके उत्पाद अब आनलाइन माध्यम से राज्य की सीमाओं से निकलकर देश के दूरदराज के ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं। उनके भीतर बेहतर भविष्य का जो आत्मविश्वास था, वह मेरे मन में बस गया। उनकी कहानी उस बड़े बदलाव की बानगी थी, जो आज देश के सबसे सुदूर इलाकों तक पहुंच चुकी है, जहां भौगोलिक और आर्थिक चुनौतियों ने दशकों तक अवसरों को जकड़ रखा था, लेकिन अब नई उम्मीदें आकार ले रही हैं।

पिछले महीने जब विश्व बैंक ने भारत में गरीबी और समानता पर अपनी ताजा रिपोर्ट जारी की, तो मुझे किफिरे की वह मुलाकात याद आ गई। विश्व बैंक के अनुसार 2011 से 2023 के बीच करीब 50 करोड़ भारतीय गरीबी के दायरे से बाहर निकले हैं और देश में अत्यधिक गरीबी लगभग खत्म हो चुकी है। ये आंकड़े उसी बदलाव की गवाही देते हैं, जिसे मैंने खुद जमीन पर महसूस किया था।

दुनिया 2010 के दशक की शुरुआत में भी भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखती थी जहां अभाव स्थायी है और स्वच्छता, पोषण, स्वच्छ ईंधन और बैंकिंग जैसी बुनियादी सुविधाएं भी आम आदमी की पहुंच से दूर थीं। तब यही मान लिया गया था कि गरीबों के हाथ में कुछ नकदी थमा देने से गरीबी खत्म हो जाएगी।

बीते एक दशक ने इस पुराने सोच को पूरी तरह बदल दिया है।

आंगनबाड़ी से महिला रोजगार तक योजनाओं को मिलेगी रफ्तार, दिया कुमारी ने दिए निर्देश

राजस्थान में 99.78 प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्र नियमित संचालित, सुदृढ़ीकरण पर जोर

जयपुर (कासं)। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को शासन सचिवालय में विभागीय समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं और बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण, महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने और बाल गृहों में बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को गति देने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के कुल 62,121 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 99.78 प्रतिशत केंद्र नियमित संचालित हो रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 95 प्रतिशत है। प्रदेश के 25 जिलों में शत-प्रतिशत केंद्र संचालित हैं। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से 7,500 के लक्ष्य के मुकाबले 4,085 केंद्र नंद घर के रूप में विकसित किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 2.53 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 2,66,089 लाभार्थियों का पंजीकरण कर 104 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है। योजना में 96.79 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। किशोरी योजना से 27 आकांक्षी ब्लॉकों में 50 हजार से अधिक किशोरियां लाभान्वित हुई हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में 99.24 प्रतिशत पर पेयजल सुविधा उपलब्ध है तथा 2,287 केंद्रों की मरम्मत पूरी की जा चुकी है। वहीं, 3,800 केंद्रों के जीर्णोद्धार के लिए 145.18 करोड़ रुपए के तकमीने तैयार किए गए हैं। 1,204 केंद्रों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध करवाए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए।

लाडो प्रोत्साहन योजना में 161 करोड़ खर्च, 8,483 महिलाओं को रोजगार

महिला अधिकारिता निदेशालय की योजनाओं की समीक्षा में बताया गया कि लाडो प्रोत्साहन योजना के लिए 320 करोड़ रुपए के बजट प्रावधान में से 161.05 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। योजना की प्रथम किस्त में 95.01 प्रतिशत और द्वितीय किस्त में 94.50 प्रतिशत उपलब्धि रही है। महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्रों के 266 केंद्रों के माध्यम से 92,746 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 91,164 का निस्तारण किया गया। पन्नाधाय केंद्रों से 8.09 लाख स्कूली



बालिकाओं को परामर्श मिला है। मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में 3,951 आवेदन स्वीकृत कर 417.97 करोड़ रुपए के ऋण उपलब्ध करवाए गए हैं। वर्क फ्रॉम होम योजना के तहत 56,285 रोजगार अवसर सृजित किए गए, जिनमें से 8,483 महिलाओं को रोजगार मिला है। कौशल विकास कार्यक्रमों में आरएस-सीआईटी के तहत 75,448, आरएस-सीएफए में 5,004 तथा आरएस-सीईपी में 3,557 महिलाओं को लाभान्वित किया गया। शिक्षा सेतु योजना में 1,04,090 स्कूल छोड़ चुकी बालिकाओं को जोड़ा गया है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत वर्ष 2026-27 में 1,619 गतिविधियों के माध्यम से 5,18,795 लोगों को लाभान्वित किया गया। वन स्टॉप सेंटर (सखी) के 41 जिलों में संचालित 52 केंद्रों से वर्तमान कार्यकाल में 25,899 महिलाओं को सहायता मिली है। महिला हेल्पलाइन 181 के माध्यम से 26,924 प्रकरणों में त्वरित सहायता उपलब्ध करवाई गई है। अमृता हाट के तहत मार्च 2027 तक 19 मेलों का आयोजन किया जाएगा, जबकि सामूहिक विवाह योजना में 1,913 जोड़े लाभान्वित हुए हैं। बजट घोषणा 2026-27 के तहत प्रस्तावित स्ट्रि योजना में एक लाख महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा, मनोवैज्ञानिक परामर्श, कानूनी जानकारी और साइबर धोखाधड़ी से बचाव का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान दिया कुमारी ने बाल गृहों में रहने वाले बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया। जोधपुर के कौशल केंद्र को पुन: शुरू कर राज्य स्तरीय केंद्र के रूप में विकसित करने तथा 18 से 21 वर्ष के बच्चों को प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन और होटल प्रबंधन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

प्रदेश के 14 जिलों में बाल देखरेख संस्थानों के नए भवनों के प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजे गए हैं। नए किशोर न्याय बोर्ड और बाल कल्याण समितियों के कार्यालयों के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग से समन्वय करने तथा बच्चों के लिए पृथक गृह और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए। उप मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024-25 के राजकीय आवासीय विद्यालयों को शीघ्र शुरू करने, सरस्वती हाफ-वे होम की प्रक्रिया आगे बढ़ाने और कॉर्पस फंड से जुड़े मामलों का एक सप्ताह में निस्तारण करने को कहा। उन्होंने लंबित वेतन प्रकरणों को निपटाने, आयोग, बाल कल्याण समितियों और किशोर न्याय बोर्ड में रिक्त पद भरने तथा एफसीआरए से संबंधित विवरण साझा करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने एचसीएम रीपा में 'स्मृति व्याख्यान श्रृंखला' का किया उद्घाटन

फाइलों में देरी खत्म करें, आमजन को समय पर सेवाएं दें: श्रीनिवास

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत विजन 2047' के अनुरूप 'विकसित राजस्थान ञ2047' के लक्ष्य को साकार करने में राजस्थान का सुशासन (गुड गवर्नेंस) मॉडल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन के साथ तकनीक आधारित नवाचारों के माध्यम से अंतिम छोर तक सरकारी सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित कर रही है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को राजस्थान सरकार के प्रशिक्षण विभाग एचसीएम रीपा के 70 वर्ष की उत्कृष्टता के गौरवशाली अवसर पर भगवत सिंह मेहता सभागार में आयोजित स्मृति व्याख्यान श्रृंखला के उद्घाटन संबोधन में अधिकारियों को संवेदनशीलता, जवाबदेही, त्वरित निर्णय क्षमता एवं परिणामोन्मुखी कार्यशैली के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने 'प्रभावी और जवाबदेह शासन के लिए प्रशासनिक सुधार' विषय पर प्रशासनिक अधिकारियों को सुशासन की कार्यप्रणाली और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि अमृतकाल भारत के रूपांतरण का महत्वपूर्ण कालखंड है। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में विकसित राजस्थान का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'पंच प्रण' तथा 'न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन' की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि सुशासन के लिए पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और जवाबदेही अनिवार्य हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार नीति, वित्त एवं शासन, आधारभूत संरचना एवं संवहनीयता, विकास एवं रोजगार सृजन तथा समाज एवं जनकल्याण को सशक्त बनाने के चार-सूत्रीय दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। श्रीनिवास ने अधिकारियों से कार्य संस्कृति में तकनीक एवं नवाचार को अपनाने, फाइलों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी समाप्त करने तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 एवं राज-संपर्क 2.0, राज-उन्नति परियोजना निगरानी प्रणाली, सेक्टोरल ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज (एसजीओएस), ई-मित्र, जन आधार एवं एसएसओ जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके माध्यम से प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक



पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक-अनुकूल बन रही है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), जीआईएस एवं ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग को भी सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। मुख्य सचिव ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, विनियमन में कमी (डीरेगुलेशन) तथा राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत प्राप्त निवेश प्रस्तावों के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन को राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जल संचय एवं जल सुरक्षा, स्मार्ट पुलिसिंग, न्याय वितरण प्रणाली में सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा एवं खनन क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की जानकारी दी।

साथ ही राजीविका के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की दिशा में हो रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सुधारों का वास्तविक उद्देश्य सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नागरिकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना और शासन व्यवस्था में आमजन का विश्वास मजबूत करना है। इसके लिए प्रत्येक अधिकारी को अपने दायित्वों का निर्वहन संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता एवं जवाबदेही के साथ करना चाहिए। इस अवसर पर महानिदेशक (डीजी) व एसीएस श्रेया गुहा, सुशासन केन्द्र के ओएसडी (ाष्टरू ऋद्धक्र) एच. गुइटे, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) शाहीन अली खान, कोर्स डायरेक्टर श्रवण कुमार बुनकर सहित राज्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारी, भारतीय प्रशासनिक सेवा के (परिवाक्षाधीन) अधिकारी उपस्थित रहे। श्रीनिवास ने अधिकारियों से कार्य संस्कृति में तकनीक एवं नवाचार को अपनाने, फाइलों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी समाप्त करने तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

उन्होंने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 एवं राज-संपर्क 2.0, राज-उन्नति परियोजना निगरानी प्रणाली, सेक्टोरल ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज (एसजीओएस), ई-मित्र, जन आधार एवं एसएसओ जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके माध्यम से प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बन रही है। स्मार्ट पुलिसिंग, न्याय वितरण प्रणाली में सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा एवं खनन क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की जानकारी दी।

बच्चे के लिए नैनी ढूंढते समय इन बातों का रखें खास ख्याल



बच्चे के लिए नैनी यानि आया ढूंढना आज के समय में एक बड़ी समस्या बन गई है। खासतौर पर वर्किंग परेंट्स के लिए अपने जिगर के टुकड़े की जिम्मेदारी किसी दूसरे को सौंपना आसान बात नहीं है। वह अपने काम पर तभी ध्यान दे पाएंगे, जब वे अपने बच्चे की देखभाल को पूरी तरह से संतुष्ट हो। तो आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बच्चे के लिए एक बेहतर नैनी ढूंढ सकते हैं।

किन बातों का रखें खास ख्याल

- पहले सोच लें कि आपको बड़ी उम्र की या कम उम्र की आया चाहिए। क्या वह चाइल्ड केयर के अलावा घरेलू काम करने के लिए तैयार है।
- अगर आप किसी एजेंसी के जरिए नैनी रख रहे हों तो उसकी पूरी छानबीन करें। नैनी का पुलिस वेरीफिकेशन जरूर कराएं।
- नैनी और उसे उपलब्ध करवाने वाली एजेंसी के बारे में कुछ जरूरी दस्तावेज की एक-एक प्रति अपने पास रखें।
- छोटे बच्चों के मामले में साफ-सफाई का खास ख्याल रखना पड़ता है। इसलिए देख लें कि जो नैनी आप रख रहे हैं, वह हाइजीन के प्रति सचेत है या नहीं।
- आप एक हफ्ते के लिए नैनी को काम पर रखकर उसका ट्रायल ले सकती हैं। अगर वह आपकी अपेक्षाओं पर खरी न उतरे तो दूसरा विकल्प देखें।
- ट्रायल के समय या उससे बाद में भी नैनी के बर्ताव पर जरूर नजर रखें कि आपका बच्चा उसके साथ सुरक्षित तो हैं या नहीं।

तो इसलिए जन्म से ही बच्चे के सिर पर जरूर होते हैं बाल

बच्चे के जन्म से ही उनके सिर पर बुहत ज्यादा या कम बाल जरूर होते है। ऐसा बहुत कम होता है शिशु के जन्म के बाद उसके सिर पर बाल न हों। दरअसल शिशु के सिलर पर बाल होने न होने के पीछे कुछ कारण होते है। आइए जानते है की नवजात शिशु के सिर पर जन्म से ही बाल क्यों होते है।



-जींस पर निर्भर

बच्चें के सीधे, घने, सुनहरे और कम बाल होना पेरेमट्स के जींस पर निर्भर करता है। बच्चे के बाल असल में पेरेंट्स के बालों की शेप के आकार के होते है। हल्के व घुमावदार बाल होने पर पिता और घने व सीधे होने पर शिशु के बाल माता पर जाते है।

-डाइट भी है कारण

प्रैग्नेंसी के दौरान आप खान-पान का असर बच्चे के भ्रूण विकास से लेकर उसके बालों तक पर पड़ता है। डाइट अच्छी होने पर बच्चों के बालों की ग्रोथ भी अच्छी होता है। खराब डाइट होने पर भ्रूण में शिशु के बालों की ग्रोथ ठीक से नहीं हो पाती।

-एसिडिटी और हार्टबर्न

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर एसिडिटी और हार्टबर्न की शिकायत रहती है लेकिन बार-बार एसिडिटी या हार्टबर्न होना बच्चें के विकास के साथ उनके बालों की ग्रोथ पर भी बुरा असर डालता है। इसलिए ऐसे समय में महिलाओं को अपनी डाइट का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

इस तरह रखें डाइट का ध्यान

- प्रैग्नेंसी के दौरान कम से कम तला हुआ खाना खाएं। पूरे दिन हल्का-फुल्का भोजन ही करें।
- खाने के बाद थोड़ी देर सैर जरूर करें लेकिन भोजन के बाद झुकने और ज्यादा भारी काम करने से बचे।



इस दौरान मसालेदार, कड़वा, खट्टा और नमकीन खाद्य पदार्थो का सेवन न करें।

डाइट में बादाम, ऐवोकैडो, हरी सब्जियां, साग, हर्बल टी, लहसुन, दही, और स्मूथी को जरूर शामिल करें।

खरबूजे से बने फेसपैक से मिलेगी खूबसूरत और हेल्दी स्किन

गर्मियों में धूप के कारण त्वचा पर दाग-धब्बे और सांवलापन हो जाता है। खरबूजा स्किन के लिए फायदेमंद होता है और साथ ही उसे हाइड्रेट भी रखता है। आइए जानें कैसे बनाएं खरबूजे का फेसपैक।



गर्मी के मौसम में बाहर का तापमान स्वास्थ्य के साथ-साथ त्वचा के लिए भी हानिकारक होता है। खरबूजे का सेवन गर्मी और लू के प्रभाव से आपको बचाता है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि खरबूजा आपकी त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। गर्मी में होने वाले सन टैनिंग, झुर्रियों, दाग-धब्बों आदि को दूर कर खरबूजा त्वचा को मुलायम और खूबसूरत बनाता है। अच्छी त्वचा पाने के लिए आप घर पर ही खरबूजे का फेस पैक बना सकती हैं।

खरबूजे में पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसलिए ये त्वचा को ठंडक देता है। इसके अलावा खरबूजे में ढेर सारे मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा को होने वाली हर समस्या में फायदेमंद होते है। तेज धूप में रहने से कई बार सन टैनिंग हो जाती है और त्वचा पर दाग-धब्बे हो जाते हैं। धूप के कारण कहीं त्वचा का रंग गहरा हो जाता है और कहीं हल्का हो जाता है। इन समस्याओं में खरबूजे का फेस पैक बहुत फायदेमंद होता है।

खरबूजा-बेसन पैक

अगर आपकी त्वचा ऑयली है तो आपके लिए खरबूजे और बेसन का फेसपैक ट्राई करना चाहिए। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो चम्मच खरबूजे का गूदा लें। इसमें एक चम्मच बेसन और एक चम्मच नींबू का रस डालें। इसे अच्छी तरह मिक्स करें जिससे गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाए। अब आपका फेस पैक तैयार है। इसे चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद चेहरे को पानी से धो लें।

खरबूजा-मिल्क पाउडर पैक

अगर आप अपने चेहरे पर तुरंत निखार लाना चाहती हैं तो आपके लिए खरबूजे और मिल्क पाउडर का फेस पैक बहुत फायदेमंद रहेगा। इसे बनाने के लिए दो चम्मच खरबूजे का गूदा लें और इसमें एक चम्मच मिल्क पाउडर (दूध पाउडर) डालें। इसे अच्छी तरह मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। अगर पेस्ट बहुत सूखा है तो इसमें कुछ बूंद गुलाबजल या सादा पानी मिला सकती हैं। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें। इससे आपके चेहरे पर तुरंत निखार आएगा।

खरबूजा-शहद पैक

अगर आपकी त्वचा रूखी है तो आप खरबूजे के साथ शहद का फेस पैक ट्राई करें। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दो चम्मच खरबूजे का गूदा लें और इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। इन दोनों का पेस्ट बनाकर करीब दस मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। बाद में चेहरे को पानी से धो लें। इससे त्वचा पर मौजूद गंदगी बाहर निकल जाएगी और त्वचा मॉइश्चराइज हो जाएगी। ध्यान दें कि इस फेसपैक को चेहरे पर बहुत ज्यादा देर तक न लगाएं नहीं तो त्वचा और ज्यादा रूखी हो जाएगी।

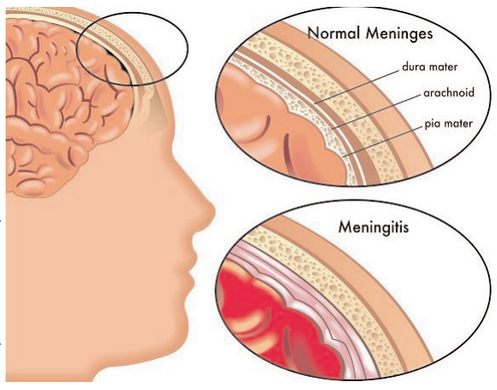
डाइट में भी करें शामिल

खरबूजा गर्मियों का एक ऐसा फल है, जो न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है बल्कि कई स्वास्थ्य लाभों से भरपूर भी होता है। आजकल के मौसम में जिस तरह हर वक्त शरीर को हाईड्रेट करने की जरूरत पड़ती है, ठीक उसी तरह दिमाग को भी हाइड्रेट रखना जरूरी हो जाता है। खरबूजे के सेवन से इन दोनों को संतुलित किया जा सकता है। खरबूजा मीठा और स्वादिष्ट होता है। इसलिए हर उम्र के लोग इसे पसंद करते हैं। खरबूजे में काफी मात्रा में पानी पाया जाता है इसलिए गर्मी के मौसम में इसके सेवन से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है और डिहाइड्रेशन से बचाव रहता है। इसके अलावा खरबूजे में ढेर सारे मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचाते हैं।

स्लिम करता है खरबूजा

स्लिम फिगर की चाह रखने वालों के लिए खरबूजे का सेवन किसी वरदान से कम नहीं है। खरबूजे में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बहुत होती है। इसमें मौजूद शुगर आसानी से घुल जाते हैं। यही कारण है कि ये शरीर को एनर्जी देता है, मगर वजन नहीं बढ़ाता है। पानी की अधिकता के कारण इसे खाने से पेट भरा हुआ लगता है, मगर भारीपन नहीं होता है।

मेनिनजाइटिस के 8 लक्षण, सभी पेरेंट्स को होनी चाहिए इनकी जानकारी



मेनिनजाइटिस यानी दिमागी बुखार आमतौर पर वायरस, बैक्टीरिया, कवक, परजीवी, और कुछ जीवों के सं मण के कारण होता है। यह एक प्रकार का इंफैक्शन है, जो मष्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की रक्षा करने वाले मेंब्रेन में सूजन पैदा करता है।मेनिनजाइटिस रोग होने से पहले कई संकेत देता है, जिन्हें हम लोग अक्सर अनदेखा कर देते है। जब यह बुखार दिमाग को चढ़ जाता है तो यह नुकसान दायक हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि इसके लक्षणों को समझकर तुरंत इलाज करें।

अचानक बुखार

मेनिन्जाइटिस के लक्षणों में से एक अचानक बुखार होना। बच्चा कंपकंप महसूस करता है और हमेशा ठंड लगने की शिकायत करता है। रोगी का तापमान बढ़ जाता है, जिसे नीचे लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। बच्चे में यह संकेत दिखने पर तुंरत डॉक्टर के पास जाएं।

भयानक सिरदर्द

मेनिन्जाइटिस की वजह से अक्सर तेज सिरदर्द होने लगता है, जो असहनीय हो जाता है, यह दर्द मरीज की गर्दन को भी प्रभावित कर सकता है, लेकिन तेज सिरदर्द के कारण, गर्दन की तरफ ध्यान नहीं जा पाता।

दोहरी दृष्टि

जो व्यक्ति मेनिन्जाइटिस रोग से प्रभावित होता है, उसकी दृष्टि पर ध्यान केंद्रित नहीं होता, जिस वजह से उसे सभी चीजें धुंधली और दोहरी दिखाई देने लगती है।

पेट में दर्द, मतली और उल्टी

मेनिन्जाइटिस से बीमार व्यक्ति को भूख कम लगती है और उसे लगातार मितली, पेट दर्द और उल्टी समस्या रहती है।

प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता

मेनिन्जाइटिस का एक संकेत उज्जवल प्रकाश का डर है क्योंकि तेज प्रकाश के संपर्क में आने बच्चे की आंखों से पानी आने लगता है। मतली और तेज सिर दर्द की संभावना बढ़ जाती है।

त्वचा पर चकते

मेंक्निजाइटिस में त्वचा पर चकते होना संभव है। इसका परीक्षण करना काफी आसान है। रैशेज को कांच के गिलास के जरिए देखे, अगर रैशेज गिलास के आर-पार दिखाई दे तो यह मेंक्निजाइटिस का संकेत हो सकता है।

डैमेज बालों से लेकर रूसी की समस्या को मिनटों में दूर करते है ये 6 उपाएं

हर कोई सुंदर, लंबे और घने बाल चाहता है लेकिन बढ़ते वायु प्रदूषण और खराब डाइट के कारण आपके बाल डैमेज हो जाते है। बालों की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए कई तरह के कैमिकल युक्त प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते है। इसकी बजाए बाल झड़ने से लेकर रूसी तक की समस्या को आप कुछ घरेलू तरीकों से भी दूर कर सकते है। आइए जानते है बालों की परेशानियों को दूर करने के कुछ होममेड तरीकें।



नारियल का तेल

नारियल तेल को गर्म करके स्कैलप पर लगाकर मालिश करें। इसे लगाने के 1 घंटे बाद शेम्पू से सिर धो लें। नारियल के तेल से हफ्ते में 2-3 बार मालिश जरूर करें।

जैतून का तेल

जैतून के तेल को स्कैलप पर लगाने के बाद मालिश करके गर्म पानी से सिर धोएं। हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल करने से आपके बाल झड़ना बंद हो जाएंगे।

अरंडी का तेल

रोजाना रात को सोने से पहले अरंडी के तेल से मालिश करें औ सुबह उठकर सिर धोएं। इसके इस्तेमाल से आपकी बाल झड़ने से लेकर रूसी तक की समस्या दूर हो जाएगी।

एवोकाडो और एग मास्क

½ एवोकाडो को अच्ची तरह से मैश करके उसमें 2 एग योल्क मिक्स करके स्कैलप पर 20 मिनट तक लगाएं। इसके बाद ठंडे पानी से सिर धों ले।

एप्पल साइडर सिरका

1 टीस्पून एप्पल साइडर सिरका, 2 टेबलस्पून जैतून का तेल और 3 एग व्हाइट मिक्स करके बालों में लगा लें। इसे लगाने के 1 घंटे बाद ठंडे पानी से बालों को धोएं।

6. नेचुरल कंडीशनर

दही और अंडे को मिक्स करने के बाद इसे बालों में 15-20 मिनट के लिए लगा लें।

एक बाउल में 1 टीस्पून जैतून का तेल, 1 टेबलस्पून शहद और द दही मिक्स करके बालों को धोने के 20 मिनट लगाएं। इसके बाद ठंडे पानी से सिर धोएं।

बच्चे का डर दूर करके आत्मविश्वास बढ़ाएगे ये योगासन



कई बार बच्चे डरे-डरे रहते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास भी कम होता है। बच्चे के इसी डर के वजह से पेरेंट्स भी परेशान हो जाते है। अगर आपके बच्चे में भी आत्मविश्वास की कमी है और वह हर कोई काम करने से पहले नेगेटिव सोचता है तो उसकी इस आदत को दूर करना जरूरी है। आज हम आपको कुछ योगासन बताएंगे, जिससे बच्चे के मन का डर दूर होगा और उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वीरभद्रासन

इस योग को करने से बच्चों का डर और चिंता दूर होती है। मन शांत रहता है। इसलिए बच्चों को योगासन करने की आदत डालें। उनके साथ खुद भी यह आसान करें। इससे आपको भी काफी फायदा मिलेगा।

शवासन

इस आसन को पूरा शरीर ढीला छोड़कर करें। आंखे बंद करके पूरा ध्यान सांसों पर लगाएं। इससे बच्चों को काफी लाभ होगा। वह शरीरिक और मानसिक दोनों रुप में ठीक रहेगा।

वृक्षासन

बच्चे की एकाग्रता और ध्यान शक्ति बढ़ाने के लिए यह आसान काफी अच्छा है। इस आसन को केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि खुद भी करें। इससे शरीर फिट रहेगा और बच्चों आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सर्दियों की छुट्टियों में करें इन 6 खूबसूरत हिल स्टेशन की सैर

सर्दियों की छुट्टियों में घूमने के लिए ज्यादा तर लोग हिल स्टेशन जाने का प्लान बनाते है।

आज हम आपको ऐसे ही कुछ खूबसूरत हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहें जहां पर आपकी छुट्टियां यादगार बन जाएगी। आइए जानते है सर्दियों में गर्माहट देने वाले इन शहरों के बारे में।

कूर्ग

खूबसूरत झरनों, मंदिर और पहाड़ो वाला यह छोटा हिल स्टेशन सर्दियों में भी गर्माहट से भरपूर रहता है। प्रकृतिक नजारों के बीच समय बिताने वालों के लिए यह हिल स्टेशन सबसे बेस्ट है।

मुन्नार

यहां की हरी-भरी घाटियां और दूर तक फैले चाय के बाग पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बनते है। इस रोमांटिक जगहें पर आप पार्टनर के साथ ठंडी-ठंडी हवा का मजा ले सकते है।

अराकू घाटी

इस खूबसूरत और रोमांटिक घाटी में घूमने के लिए हर साल कर टूरिस्ट आते है। हरी-भरी वादियों के साथ आप यहां मंदिर, झरनें और खूबसूरत बाग देख सकते है।

कोडैकनाल

अपनी सुंदरता के कारण यह हिल स्टेशन पर्यटकों की मनपंसद जगहें बन चुका है। इस शांत हिल स्टेशन में आप दूर-दूर तक फैली हरियाली का मजा ले सकते है।

औली

बर्फ से ढकी इस खूबसूरत वादी में आप अपनी फैमली या पार्टनर के साथ स्केटिंग का मजा ले सकते है। बर्फ के साथ-साथ आप यहां के प्रकृतिक मजारों का मजा भी ले सकते है।

झिरो

अरूणाचल के इस झिरो शहर में आप जंगल से ढके पहाड़ों और खूबसूरत कबीलों का मजा ले सकते है। सुकून भरे पल बिताने और मेडिटेशन के लिए झिरो सबसे परफेक्ट डेस्टिनेशन है।



कांग्रेस के सदस्यों को प्रलोभन और धमकियां दे रही भाजपा, बोले- 18 पार्षद हमारे साथ, हर हाल में बनेगा कांग्रेस का बोर्ड

जनादेश कांग्रेस के पक्ष में, फिर भी जिला प्रमुख बनाने में जुटी भाजपाः डोटासरा

जयपुर (कासं)। राजस्थान के पंचायती राज चुनावों में आम जनता के बहुमत से कांग्रेस पार्टी की 300 से ज्यादा पंचायत समितियां बनी है, भाजपा ने मात्र 62 पर बहुमत प्राप्त किया है। इसी प्रकार जिला परिषद में भाजपा ने केवल 5 या 6 में बहुमत प्राप्त किया है, 27 में पूर्णतया कांग्रेस पार्टी का बहुमत है और अन्य में कांग्रेस पार्टी अपना जिला परिषद् बोर्ड बनाने जा रही है। राजस्थान में चार जिलों के रोके गये परिणाम भी अगर जारी हो जाते तो कांग्रेस पार्टी का वोट शेयर और बढ़ जाता। जिला परिषद में 50 प्रतिशत वार्ड कांग्रेस पार्टी ने अकेले जीते हैं, भाजपा का मत 28 प्रतिशत है, पंचायत समितियां 62 प्रतिशत कांग्रेस ने जीती है, वोट शेयर में 5.45 प्रतिशत के लगभग कांग्रेस आगे है, विधानसभा चुनाव में ढाई प्रतिशत के अंतर से भाजपा जीती थी, लोकसभा चुनाव में 15 प्रतिशत से भाजपा आगे रही थी, किंतु पंचायत चुनाव में आम जनता ने भाजपा सरकार को बुरी तरह से नकार दिया है। महंगाई, बेरोजगारी, नौजवान, किसान और अपराध के मुद्दों पर सरकार का ध्यान नहीं है, केवल कांग्रेस को कोसने का कार्य किया जा रहा है और भ्रमित करने के लिये घोषणाएं और भाषण दिये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठकर भ्रष्टाचार की फाइलें निपटाई जा रही है, विला खरीदे जा रहे हैं, मुख्यमंत्री से करोड़ों रुपये का फायदा दिलवाया जा रहा है, मुख्यमंत्री को विदेश में



घुमाया जा रहा है और आज सार्वजनिक रूप से प्रमाणित हो गया कि यह लोग भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। एसीबी ने मुकदमा दर्ज कर लिया लेकिन मुख्यमंत्री का एक शब्द नहीं बोलना, स्पष्टीकरण नहीं देना यह प्रमाणित करता है कि मुख्यमंत्री की नाक के नीचे जानकारी में रहते हुए सरकार के अधिकारियों और नेताओं ने भ्रष्टाचार किया। उक्त विचार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने आ प्रेस को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

डोटासरा ने कहा कि पंचायत चुनाव में बुरी तरह से हारने के बावजूद भाजपा बहुमत न होने पर भी राजस्थान के मुख्यमंत्री के गृह जिले में उनकी साख बचाने के लिए जिला प्रमुख बनना चाहती है, जबकि बहुमत से वह कोसों दूर है। चुनाव में सेल्स टैक्स को भेजकर, धमकाकर कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों का नामांकन निरस्त करवाकर भाजपा ने अपना मेयर बनवा दिया और अब इस प्रकार का खेल जिला परिषद में यह भाजपा के नेता करना चाहते हैं। भाजपा को चुनौती दी थी कि पंचायत चुनाव में मुख्यमंत्री अपने गृह जिले में भाजपा को जीताकर दिखायें, लेकिन भाजपा हार गई, इस बुरी तरह हारने के बावजूद कांग्रेस पार्टी के निर्वाचित जिला परिषद सदस्यों को मुख्यमंत्री की नाक बचाने के लिए भाजपा के नेता प्रलोभन दे रहे हैं, धमका रहे हैं ताकि किसी तरह भाजपा का बोर्ड भरतपुर में बनवाया जा सके।

डोटासरा ने कहा कि आज कांग्रेस कार्यालय में इस वक्त कांग्रेस के सिंबल पर जीते हुए 18 निर्वाचित जिला परिषद सदस्य बैठे हैं, तीन को भाजपा के लोग अपने साथ ले गये। लोग बताते हैं कि 60-70 लाख रूपये देने का लालच दिया गया, कोई कह रहा है कि उनको धमका कर, डरा कर ले गये, किन्तु आज ही 18 सदस्य यहां पर बिना किसी लोभ-लालच के बैठे हैं, जिन्हें प्रतिदिन भाजपा सरकार द्वारा पुलिस प्रशासन भेजकर, अधिकारी भेजकर डराने और धमकाने का कार्य किया जा रहा है। अभी यह सभी कांग्रेस के जिला परिषद सदस्य चौमूं में एक होटल में ठहरे हुए थे, वहां चौमूं के पुलिस अधिकारी इन्हें भाजपा के पास जाने के लिये धमका रहे हैं, और लालच दे रहे हैं, इसलिए चार दिन से यह ढंग से सो नहीं पाये, ऐसा अलोकतांत्रिक कृत्य भाजपा द्वारा चुनाव में बुरी तरह हारने के बावजूद किया जा रहा है।

अंजू कुमारी, ओमवती और अशोक साहू तीन जिला परिषद सदस्यों को भाजपा के लोग सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करके अपने साथ ले गए हैं, यह लोकतंत्र पर भी प्रहार है चुनाव की निष्पक्षता पर भी प्रश्न चिन्ह है। भाजपा की बेईमानी भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी को उजागर करने के लिए आज यह सभी जिला परिषद् सदस्य एक साथ यहां पर मौजूद होकर भाजपा के कुशासन का मुकाबला करने के एकत्रित हुए हैं।

डोटासरा ने मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष तथा पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी है कि चाहे गोलियां चल जाये, जितना मर्जी सरकार दमन कर ले, भरतपुर में कांग्रेस का ही बोर्ड बनेगा। कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता दमन से दबने वाले नहीं है, भाजपा के नेता कांग्रेस के जिला पार्षदों का इमान नहीं खरीद सकते हैं और आने वाले वक्त में जो पुलिस प्रशासन के अधिकारी भाजपा की गुंडागर्दी में साथ दे रहे हैं उन्हें एक-एक कर सबक सिखाया जायेगा। डोटासरा ने सभी 18 भरतपुर के जिला परिषद सदस्यों को प्रेस के सम्मुख प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए जो कुछ आवश्यक होगा कांग्रेस पार्टी करेगी, चाहे धरना दे, आंदोलन करें, चाहे क्रांति आये, लेकिन लोकतंत्र पर इस तरह का प्रहार भाजपा को कांग्रेस पार्टी नहीं करने देगी।

न्यूज इनबॉक्स

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का 18वां कॉमन रिव्यू मिशन का राजस्थान दौरा

विशेषज्ञों का दल 28 तक करेगा प्रदेश की स्वास्थ्य कार्यक्रमों व सेवाओं का अवलोकन

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 18वें कॉमन रिव्यू मिशन दल 22 से 28 नवम्बर 2026 तक प्रदेश में संचालित की जा रही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन कर रिपार्ट केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्तुत करेगा। इस मिशन के तहत विभिन्न राज्यों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का 14 सदस्यीय दल ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में अधिकारियों के साथ ब्रीफिंग बैठक कर विस्तार से चर्चा की। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त आयुक्त मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण व पीसीपीएनडीटी डॉ. पवन कुमार की लीडरशीप में केन्द्रीय दल जयपुर मुख्यालय क्षेत्र सहित झालावाड़ और हनुमानगढ़ जिलों में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों व सेवाओं की क्रियान्विती का अवलोकन करेंगे और निरीक्षण के उपरांत राज्य मुख्यालय पर अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे।

गुरुनानक देव जी की शिक्षाएं मानवता, सेवा का शाश्वत मार्ग प्रशस्त करती हैं - देवनानी

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं महान आध्यात्मिक संत गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व (गुरुनानक जयंती) पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। देवनानी ने कहा कि गुरु नानक देव का संपूर्ण जीवन सत्य, प्रेम, करुणा, समानता और मानव सेवा के आदर्शों के प्रति समर्पित रहा। उनकी पावन शिक्षाएं सम्पूर्ण मानव समाज को सद्भाव, बंधुत्व और परस्पर सम्मान की प्रेरणा प्रदान करती हैं। उनका जीवन दर्शन परिश्रम, ईश्वर स्मरण तथा समाज के साथ अपने संसाधनों को साझा करने का महान संदेश देता है। देवनानी ने कहा कि उनकी वाणी में निहित आध्यात्मिक दृष्टि और लोककल्याण की भावना आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करती है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर हम एक ऐसे समाज के निर्माण में सहभागी बन सकते हैं, जहां सेवा, सद्भाव और मानवीय गरिमा सर्वोपरि हों। देवनानी ने इस पावन अवसर पर प्रदेशवासियों से गुरु नानक देव की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करने तथा सामाजिक समरसता, सेवा और मानव कल्याण के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने का आह्वान किया। स्पीकर देवनानी ने विधायक मीणा की कुशलक्षेम पूछी - राजस्थान विधान अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधायक लक्ष्मण मीणा के स्वास्थ्य की जानकारी ली और कुशलक्षेम पूछी। देवनानी की दूरभाष पर मीणा के पुत्र निलेश से बातचीत हुई। देवनानी ने मीणा के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए शुभकामनाएं की। देवनानी ने जताई संवेदना - राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य सभा सांसद की रामराव वडकुते के निधन पर दुःख व्यक्त किया है।

वंचित नौनिहालों को घर-घर, ढाणी-ढाणी जाकर पिलाई जा रही पोलियो की खुराक

जयपुर (कासं)। जिले में उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का आयोजन किया जा रहा है। गत 22 नवम्बर को अभियान के प्रथम दिन जिले में 01 लाख 92 हजार 761 नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अब विभाग की ओर से गठित मोबाईल टीमें घर-घर, ढाणी-ढाणी जाकर खुराक से वंचित नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिला रही हैं। कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र गोयल ने बताया कि रविवार, 22 नवम्बर को अभियान के पहले दिन जिले में स्थापित 2647 बूथों पर नवजात से 5 वर्ष तक के 01 लाख 92 हजार 761 बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन पिलाई गई। इसके बाद विभाग की ओर से गठित मोबाईल टीमों द्वारा घर-घर जाकर खुराक से वंचित बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। आरसीएचओ डॉ. प्रमिला मीणा ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में घर-घर जाकर वंचित बच्चों को पोलियो की खुराक पिला रहे हैं। अभियान में 14546 वैक्सीनेटर, 816 सुपरवाइजर, 153 ट्रांजिक्ट टीम, 635 मोबाईल टीम सहित कुल 15362 मैनपावर कार्यरत है।

राजस्थान की 23.32 लाख बालिकाओं को मिलेगा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, पुलिस-शिक्षा विभाग में एमओयू

प्रदेश के 36,765 राजकीय विद्यालयों में संचालित होगा रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

जयपुर (कासं)। राजस्थान में बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में राजस्थान पुलिस एवं स्कूल शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश की 23.32 लाख बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने के लिए सोमवार को राजस्थान पुलिस और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान पुलिस की ओर से एडीजी कम्युनिटी पुलिसिंग श्रीमती लता मनोज कुमार तथा शिक्षा विभाग की ओर से राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद डॉ. रश्मि शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस पहल के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के 36,765 राजकीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक अध्ययनरत बालिकाओं को रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं



को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाते हुए उनमें आत्मविश्वास और आत्मरक्षा की क्षमता विकसित करना है, ताकि वे घर, विद्यालय और सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि इस पहल से प्रदेश के सभी जिलों में विद्यालय स्तर पर बालिका सुरक्षा के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इस कार्य के लिए राजस्थान पुलिस की प्रतिबद्धता भी जताई और अधिकारियों को इस कार्य में राजस्थान पुलिस से जुड़े संस्थानों का सहयोग प्राप्त करने के निर्देश दिए। राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस और शिक्षा विभाग का यह साझा प्रयास बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ विद्यालयों में सुरक्षित, संवेदनशील एवं भरोसेमंद वातावरण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

संविधान गौरव दिवस पर भाजपा की संगोष्ठी, 26 से 29 नवंबर तक प्रदेशभर में होंगे कार्यक्रम

जयपुर में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह होंगे शामिल

जयपुर (कासं)। भाजपा के प्रदेश महामंत्री प्रो. कैलाश मेघवाल ने कहा कि संविधान गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी 26 नवंबर को जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में दोपहर 2:30 बजे संगोष्ठी आयोजित करेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बतौर अतिथि शिरकत करेंगे। इस संगोष्ठी में भारतीय संविधान, बाबा साहब के विचारों, सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों पर विचार व्यक्त किए जाएंगे। प्रो. कैलाश मेघवाल ने बताया कि संविधान गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा प्रदेश के साथ जिला स्तर पर भी जन जागरूकता अभियान चलाएगी। इसके साथ ही 26 से 29 नवंबर तक प्रदेशभर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान एवं संविधान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रो. कैलाश मेघवाल ने बताया कि संविधान गौरव दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षा विभाग के द्वारा विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। इन प्रदर्शनियों में बाबा साहब के जीवन, संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका, देश के प्रति उनके योगदान तथा संविधान में निहित अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी विद्यार्थियों को दी जाएगी। इसका उद्देश्य युवाओं में संवैधानिक जागरूकता, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति



सम्मान विकसित करना है। उन्होंने बताया कि इन आयोजनों के माध्यम से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रो. कैलाश मेघवाल ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश पर लगभग पांच दशक तक शासन करने वाली कांग्रेस ने ना तो संविधान दिवस को और ना ही बाबा साहब को उचित सम्मान दिया। आज कांग्रेस संविधान और आरक्षण को लेकर भाजपा पर आरोप लगाती है, जबकि इतिहास में कांग्रेस का रवैया इसके विपरीत रहा है। जून 1961 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर आरक्षण समाप्त करने की बात रखी थी। उस समय कुछ मुख्यमंत्रियों ने सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थिति को देखते हुए आरक्षण समाप्त करने का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि बाबा साहब को संविधान सभा में पहुंचने के लिए बंगाल से चुनाव लड़ना पड़ा था।

चौबीस बीघा भूमि पर तीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते द्वारा कार्रवाई करते हुए जोन-13 ग्राम रामपुर बुजुर्ग बुडली व ग्राम रामसिंहपुरा में करीब 24 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस श्रीमान् आनन्द शर्मा ने बताया कि जोन-23 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम रामपुर बुजुर्ग बुडली तह चाकसू जिला जयपुर में करीब 16 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर 'गोवर्धन नगर ए व बी' के नाम से मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें, ट्री-गार्ड व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-23 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जविप्रा द्वारा ध्वस्तीकरण में हुये व्यय खर्चे की नियमानुसार संबंधित से वसूली की जावेगी। जोन-23 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम रामसिंहपुरा तह चाकसू कोटखावदा रोड जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-23 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया। जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जविप्रा द्वारा ध्वस्तीकरण में हुये व्यय खर्चे की नियमानुसार संबंधित से वसूली की जावेगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड बालोतरा

क्रमांकः 3355-64 दिनांकः 18.11.2026

ई-निविदा सूचना संख्या- 14 वर्ष 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं भवनों में मरम्मत कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवदको के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व http://sppp.rajasthan. gov.in व http://eproc. rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। जिनके यूबीएन नम्बर निम्नानुसार है:-

1.PWD2627WSOB15850
2.PWD2627WSOB15852
3.PWD2627WSOB15853

(रोहित चौधरी)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड बालोतरा

DIPR/C/18542/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, PHED, DD-1 JODHPUR

Near Ratanada Police Station, Jodhpur (Ph. No. 0291-2651742) EMail-ee1phedjdp2@gmail.com, ee-ddn1-jod-rj@nic.in

No. EE/PHED/DD-1/NIT/2026-27/2804-2816 Date : 20.11.2026

निविदा सूचना संख्या : 58 से 60/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिनांक 30.11.2026 दोपहर को 12.00 बजे तक नॉन-रिफण्डेबल शुल्क के भुगतान पर बेची जायेगी। निविदाएं दिनांक 30.11.2026 को 01.00 बजे तक प्राप्त की जाकर उसी दिन दोपहर 02.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएगी। बिना निविद प्रपत्र वाली एवं निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। अन्य विवरण कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र website : www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है। जिसको कोई भी निविदादाता डाउनलोड कर सकते है।

निविदा सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)	समय अवधि
58	Works of Repairing of valve chmbers in various schemes under sub DN Bilara UBN No. PHE2627WSOB07138	4.90	9800	200	12 Month
59	Fabrication work under Sub Dn Bilara UBN No. PHE2627WSOB07139	3.00	6000	200	12 Month
60	Fabrication work under Sub Dn Pipar City UBN No. PHE2627WSOB07140	3.00	6000	200	12 Month

The Cost of tender documents, EMD is to be paid bvy egrass as detailed below :
Office Code : 23705 "OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DD-I JODHPUR"

	Earnest Money	Tender Cost
Budget Hear	8443-00-108-00-00	0075-00-800-52-01
	लोक निर्माण कार्य जमा	निविदा शुल्क की प्राप्तियां

शर्तें :-
1. किसी भी निविदा को बिनाक रण बताये निरस्त करने का अधिकार निम्न हस्ताक्षरकर्ता को होगा।
2. निविदा बेचने एवं प्राप्ति के दिन यदि राजकीय अवकाश होगा तो निविदा दूसरे दिन बेची व प्राप्त की जाएगी।

"जल ही जीवन है"

(दिपेन्द्र भास्कर)
अधिशाषी अभियंता, जल.स्वा. अभि. विभाग
जिला खण्ड प्रथम जोधपुर
मो. 91-94628-38210

DIPR/C/18584/2026

राजस्थान फाउंडेशन की 14वीं कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित

विदेश में 51 चैप्टर्स के जरिए प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ रहा राजस्थान

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन प्रवासी राजस्थानियों और उनकी मातृभूमि के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने तथा राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने फाउंडेशन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के साथ स्थापित हो रहे मजबूत जुड़ाव की सराहना करते हुए इसे और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आगामी 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान फाउंडेशन की 14वीं कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में फाउंडेशन की गतिविधियों, संगठनात्मक संरचना, देश-विदेश में संचालित चैप्टर्स, प्रवासी राजस्थानियों से संवाद एवं सहभागिता बढ़ाने तथा आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रम के सत्र रोचक, संवादपरक एवं ज्ञानवर्धक हों, जिससे प्रतिभागियों को सार्थक अनुभव प्राप्त हो। बैठक में आयुक्त, राजस्थान फाउंडेशन एवं विशिष्ट शासन सचिव, डोरा (DoRA) डॉ. मनीषा अरोड़ा ने पीपीटी के माध्यम से फाउंडेशन की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संरचना एवं आगामी गतिविधियों एवं योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

वायु गुणवत्ता प्रबंध आयोग के अध्यक्ष ने मुख्य सचिव एवं उच्च अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' नियम की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करने के निर्देश

जयपुर (कासं)। वायु गुणवत्ता प्रबंध आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राज्य स्तरीय कार्ययोजना के साथ-साथ जिला स्तरीय कार्ययोजना भी तैयार की जाएगी। साथ ही तकनीक का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। वर्मा सोमवार को शासन सचिवालय में एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सुधार एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा के लिए आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि एनसीआर में प्रदूषण की समस्या गंभीर है। विशेष रूप से भिवाड़ी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार के लिए



विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने औद्योगिक प्रदूषण, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, सड़क की धूल, निर्माण एवं विध्वंस कचरे, पराली एवं बायोमास जलाने तथा यातायात जाम से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वर्मा ने एनसीआर क्षेत्र के पेट्रोल पंपों एवं सीएनजी स्टेशनों पर ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरों की स्थापना में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' व्यवस्था के तहत प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) नहीं रखने वाले वाहनों को ईंधन उपलब्ध नहीं कराया जाए। साथ ही इसके लिए प्रभावी मॉनिटरिंग व्यवस्था विकसित की जाए। प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग ने बताया कि एनसीआर क्षेत्र के 362 पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर कैमरों की स्थापना का कार्य प्रगतिरत है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, **Email:-** lokjeewanjpr@gmail.com **भीलवाड़ा कार्यालयः** 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। **फोनः** 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, **मो.** 8306792625